विद्यालयों मे पाठ्येतर गतिविधि के संचालन मे विद्यालय प्रमुख की भूमिका

लेखक : श्रीमती शालिनी

राजस्थान स्कूल लीडरशिप अकादमी

सीमेट, जयपुर, राजस्थान

परिचय:–

शैक्षिक पाठ्यक्रम के अलावा, छात्रों के लिए नए कौशल सीखने, उनकी जिज्ञासा को बढ़ावा देने और एक नया जुनून जगाने के कई अवसर हैं। पाठ्येतर गतिविधियाँ प्रत्येक बच्चे के विकास को सकारात्मक तरीके से प्रोत्साहित करती हैं। पाठ्येतर गतिविधियाँ बच्चों के सामाजिक और बौद्धिक विकास में मदद करती हैं। यह बच्चे में अच्छे व्यवहार और संचार को प्रोत्साहित करता है। इस वजह से, कई स्कूल पाठ्येतर गतिविधियों को अधिक महत्व दे रहे हैं।

जब अधिकांश व्यक्ति शिक्षा के बारे में सोचते हैं, तो स्कूलों, पुस्तकालयों और किताबों की छवियां दिमाग में आती हैं। हालाँकि, यह कल्पना तेजी से बदल रही है। अब, इन विशिष्ट सीमाओं के बाहर, पाठ्येतर गतिविधियाँ मानव विकास का एक अनिवार्य तत्व प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रमुख मापदंडों के रूप में उभर रही हैं। वे कोई बाद का विचार नहीं हैं वे संपूर्ण, लचीले, भावनात्मक रूप से सक्षम लोगों के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

यह गतिविधियाँ हमारे युवाओं के जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनके परिणामस्वरूप भावनात्मक बुद्धिमत्ता में वृद्धि से लेकर शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार होता है। तो फिर प्रश्न यह बन जाता है की आधुनिक कक्षा में उनकी निरंतर प्रासंगिकता की गारंटी के लिए हम क्या कर सकते हैं? शिक्षकों, अभिभावकों और सरकारों को छात्रों के लिए पाठ्येतर विकल्पों के लाभों को पहचानना और प्राथमिकता देना चाहिए।

यह पहल हमेशा हमारी शैक्षिक प्राथमिकता सूची का एक अंतर्निहित हिस्सा होनी चाहिए, चाहे हम हरियाणा के बोर्डिंग स्कूलों के बारे में बात कर रहे हों या उत्तर भारत के नंबर 1 बोर्डिंग स्कूल के बारे में। पाठ्येतर गतिविधियाँ कौशल, चरित्र और लचीलेपन को बढ़ावा देकर, कक्षा के भीतर और बाहर दोनों जगह छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

हममें से हर कोई मॉर्गन फ्रीमैन को जानता है। हम उनके प्रसिद्ध उद्धरणों में से एक साझा करना चाहेंगे "जब मैं किशोर था, तो मैंने स्कूल जाना शुरू कर दिया क्योंकि मुझे पता चला कि पाठ्येतर गतिविधियों में मेरी रुचि थी: संगीत और रंगमंच।"

पाठ्येतर गतिविधि क्या है?

पाठ्येतर गतिविधियाँ शैक्षणिक पाठ्यक्रम से बाहर हैं लेकिन शैक्षिक वातावरण का एक अभिन्न अंग हैं। इन पाठ्येतर गतिविधियों में खेल, नाटक, संगीत, रोबोटिक्स, कोडिंग आदि शामिल हैं जो बच्चों में रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा विकसित करने में मदद करते हैं।

पाठ्येतर गतिविधियों में गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल होती है जो छात्र अपने नियमित शैक्षणिक पाठ्यक्रम के बाहर करते हैं। ये गतिविधियाँ आम तौर पर स्वैच्छिक होती हैं और खेल, कला, संगीत, नाटक, वाद–विवाद, रोबोटिक्स और बहुत कुछ जैसे रुचि के विविध क्षेत्रों को कवर करती हैं। पाठ्येतर गतिविधियों की मुख्य विशेषता यह है कि वे शैक्षणिक प्रगति के लिए अनिवार्य नहीं हैं, लेकिन फिर भी शैक्षणिक संस्थानों द्वारा प्रोत्साहित और समर्थित हैं। क्योंकि यह विद्यार्थी की अन्तर्निहित क्षमता को पहचानने और उसे विकसित करने का माध्यम है।

पाठ्येतर गतिविधियाँ छात्रों को कैसे मदद करती हैं?

हालाँकि पाठ्येतर गतिविधियाँ अक्सर स्कूल के घंटों के बाहर बहुत समय ले सकती हैं, वे बच्चों को महत्वपूर्ण जीवन कौशल हासिल करने के अवसर प्रदान करती हैं जो उनकी भविष्य की सफलता और आत्मविश्वास के लिए महत्वपूर्ण होंगे। पाठ्येतर गतिविधियों में शामिल होना आपके बच्चे के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है और यह आपके बच्चे के विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है । शोध से पता चलता है कि पूर्वस्कूली उम्र के बच्चे भी जो पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेते हैं, उनके शैक्षणिक और सामाजिक रूप से सफल होने की अधिक संभावना होती है। ये लाभ उन्हें स्कूल और रोजमर्रा की जिंदगी में भविष्य की सफलता के लिए तैयार करने में मदद करते हैं।

जो स्कूल पाठ्येतर गतिविधियों को प्राथमिकता देते हैं, वे अक्सर उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले स्कूल होते हैं, और यह दर्शाता है कि स्कूल कक्षा के बाहर अपने छात्रों के समय और प्रयास को महत्व देने के महत्व को समझते हैं। इससे स्कूल को भी लाभ होता है, क्योंकि इससे छात्रों की सहभागिता और प्रतिधारण दर में सुधार करने में मदद मिलती है, साथ ही उनके बच्चे को मिलने वाली शिक्षा से माता–पिता की संतुष्टि भी बढ़ती है। अपने बच्चे के लिए स्कूल चुनते समय यह अक्सर माता–पिता के एजेंडे में सबसे ऊपर होता है।

उद्देश्यः–

पाठ्येतर गतिविधि (ईसीए) या अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधि (ईएए) या सांस्कृतिक गतिविधियां छात्रों द्वारा की जाने वाली एक गतिविधि है, जो स्कूल, कॉलेज या विश्वविद्यालय शिक्षा के सामान्य पाठ्यक्रम के दायरे से बाहर होती है। ऐसी गतिविधियाँ आम तौर पर स्वैच्छिक (अनिवार्य के विपरीत), सामाजिक , परोपकारी होती हैं , और अक्सर समान उम्र के अन्य लोगों को शामिल करती हैं। छात्र और कर्मचारी इन गतिविधियों को संकाय प्रायोजन के तहत निर्देशित करते हैं, हालांकि छात्र–नेतृत्व वाली पहल, जैसे स्वतंत्र समाचार पत्र, बहुत आम हैं। हालाँकि, कभी–कभी स्कूल के प्रिंसिपल और शिक्षक भी इन गतिविधियों को स्कूल में छात्रों के बीच लाते है।

हम सभी अकादमिक अध्ययन के अलावा विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में भी शामिल रहे हैं। ये हमारे शौक हो सकते हैं, कुछ ऐसा जिसके प्रति हम जुनूनी रहे हों, कुछ ऐसा जो हम सीखना चाहते हों। अधिकतर पाठ्येतर कक्षाएं बच्चों के लिए मजेदार, आनंददायक और सीखने का एक अच्छा अनुभव होती हैं। और हां, आपको अपने स्कूल के साथियों के अलावा भी कई नए दोस्त बनाने को मिलते हैं।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार भारतीय छात्र साथियों की तुलना में अतिरिक्त कक्षाओं, सह–पाठयक्रम गतिविधियों में अधिक संलग्न होते हैं। लगभग दो–तिहाई भारतीय छात्र स्कूल के बाद प्रमुख विषयों के लिए अतिरिक्त ट्यूशन लेते हैं, 72% सह–पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में भाग लेते हैं और 74% कहते हैं कि वे स्कूल में नियमित रूप से खेल खेलते हैं। अध्ययन से यह भी पता चला कि भारतीय माता–पिता अपने बच्चों की शिक्षा में गहरी रुचि रखते हैं। केवल 11% भारतीय छात्रों ने कहा कि वे किसी भी अतिरिक्त क्लब या गतिविधियों में भाग नहीं लेते हैं।

छात्रों का समग्र विकासः–

- **शारीरिक विकासः–** पाठ्येतर गतिविधियों में अक्सर खेल और शारीरिक फिटनेस कार्यक्रम शामिल होते हैं। खेलों में शामिल होने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है बल्कि अनुशासन, टीम वर्क और दृढ़ता भी सिखाई जाती है। ये गुण सर्वांगीण व्यक्तियों के निर्माण में अमूल्य हैं।
- **मानसिक उत्तेजनाः–** वाद–विवाद, शतरंज या विज्ञान क्लब जैसी गतिविधियों में भागीदारी छात्रों को बौद्धिक रूप से चुनौती देती है, आलोचनात्मक सोच, समस्या–समाधान और रचनात्मकता को बढ़ावा देती है। ये कौशल हस्तांतरणीय हैं और उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में काफी लाभ पहुंचा सकते हैं।
- **सामाजिक कौशलः–** पाठ्येतर गतिविधियाँ छात्रों को विविध पृष्ठभूमि के साथियों के साथ बातचीत करने के पर्याप्त अवसर प्रदान करती हैं। यह उनके सामाजिक कौशल को बढ़ाता है, मित्रता को बढ़ावा देता है, और उन्हें प्रभावी ढंग से सहयोग करना सिखाता है।

- **भावनात्मक बुद्धिमत्ताः—** नाटक और कला जैसी गतिविधियों के माध्यम से, छात्र अपनी भावनाओं को स्वस्थ तरीके से खोज और व्यक्त कर सकते हैं, जिससे उनकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आत्म—जागरूकता में सुधार होता है।

पाठ्येतर गतिविधियों के प्रकारः—

जबकि बच्चा जिस प्रकार की पाठ्येतर गतिविधि चुनता है, उसका संबंध उसकी रुचियों और जुनून से होता है, बच्चों के लिए कुछ लोकप्रिय पाठ्येतर गतिविधियों में शामिल हैं।

- **खेलः—** एक सामान्य पाठ्येतर गतिविधि , बच्चा क्रिकेट, फुटबॉल, स्केटिंग, तैराकी और बहुत कुछ सहित विभिन्न प्रकार के विकल्पों में से चुन सकता है। बेशक इन दिनों मुख्यधारा की खेल गतिविधियों के अलावा, कई अन्य वैकल्पिक शारीरिक गतिविधि कार्यक्रम भी हैं जो बच्चे को सक्रिय रखते हैं।

- **कला प्रदर्शनः—** नृत्य, रंगमंच, संगीत और बहुत कुछ लोकप्रिय प्रदर्शन कला गतिविधियाँ हैं जिनका बच्चे आनंद लेते हैं। जो लोग इसमें अपना करियर बनाने में रुचि रखते हैं वे अभिनेता, हास्य अभिनेता, पेशेवर नर्तक और बहुत कुछ बनने पर विचार कर सकते हैं।

- **दृश्य कला:–** जो बच्चे चित्र बनाना और पेंटिंग करना पसंद करते हैं उन्हें एक कला कार्यक्रम में शामिल होने से लाभ होगा जो उनकी रचनात्मकता को मुक्त कर सकता है। अपने रचनात्मक रस के प्रवाह में मदद करने के अलावा, बच्चे इसे करियर के रूप में भी अपना सकते हैं।

- **सामुदायिक सेवा:–** बच्चे सामुदायिक सेवा कर सकते हैं और सहानुभूति तथा नेतृत्व कौशल विकसित करते हुए कई लोगों के जीवन में ठोस बदलाव ला सकते हैं। सामुदायिक सेवा, चरित्र विकास में बहुत मदद करती है।

➢ **क्लबः—** गणित क्लब या शतरंज क्लब या मॉडल यूएन में भाग लेने जैसे क्लब कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जो बच्चों को उनके चुने हुए मुद्दों की गहरी समझ प्रदान करते हैं।

पाठ्येतर गतिविधि कैसे चुनें:—

यदि सही पाठ्येतर गतिविधि को चुनने में एक महत्वपूर्ण नियम है, तो वह यह है कि बच्चे को अपने जुनून का पालन करना चाहिए। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि माता—पिता के

रूप में आप सही एक्सपोजर और दिशा प्रदान करें जो बच्चे को एक अतिरिक्त गतिविधि को आगे बढ़ाने की अनुमति दे जो बच्चे के दिल के करीब है। यह जरूरी है कि बच्चा माता–पिता या साथियों के दबाव से प्रेरित होने के बजाय ऐसी गतिविधि चुने जो उसे पसंद हो। यह भी महत्वपूर्ण है कि बच्चे का शेड्यूल बहुत अधिक गतिविधियों से भरा न हो ताकि वे बोझ लगने लगें। वास्तव में, कई विशेषज्ञ माता–पिता को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं कि बच्चे के पास आराम करने और तरोताजा होने के लिए पर्याप्त समय हो।

छात्र विकास के लिए पाठ्येतर गतिविधियों के लाभः–

- **नया कौशल सीखने में मददः–** पाठ्येतर गतिविधियाँ किसी की छिपी हुई प्रतिभा और जुनून को बाहर लाने में मदद कर सकती हैं। नए कौशल सीखना बेहतर नौकरी के अवसरों को बढ़ावा दे सकता है और नए करियर विकल्पों के प्रवेश द्वार जैसे नए क्षेत्रों की खोज कर सकता है। इससे स्वयं का मूल्य पहचानने में भी मदद मिलती है।

- **सामाजिक कौशल को बढ़ावा देनाः–** पाठ्येतर कक्षाओं की प्रकृति सामाजिक और पारस्परिक कौशल को बढ़ाने में मदद करती है क्योंकि इसमें बहुत अधिक बाहरी संपर्क होता है। अधिकांश कक्षाएं समूहों में आयोजित की जाती हैं इसलिए बातचीत और चर्चा में मदद मिलती है। नए दोस्त बनाना, संवाद करना और सामाजिक और भौगोलिक बाधाओं को तोड़ना (ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के मामले में) भी प्लस पॉइंट हैं।

- **शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ावाः–** एक अध्ययन में यह पाया गया कि शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक दोनों पाठ्यक्रमों में समान रुचि छात्रों के ग्रेड को बेहतर बनाने में मदद करती है। स्कूल के बाद पाठ्येतर गतिविधियाँ छात्रों में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करती हैं। टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में , पढ़ने, गणित की उपलब्धि और पाठ्यक्रम ग्रेड जैसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक परिणाम उन बच्चों द्वारा सकारात्मक रूप से प्रभावित पाए गए जो पाठ्येतर गतिविधियों में संलग्न हैं।

- **सोचने की क्षमता में सुधारः–** ये कक्षाएं या पाठ्यक्रम उन्हें समस्या–समाधान और विश्लेषणात्मक कौशल सीखने में मदद करते हैं। विभिन्न खेलों और अन्य समूह केंद्रित कक्षाओं जैसी समूह गतिविधियाँ टीम वर्क, नेतृत्व, समय प्रबंधन, रचनात्मकता और अन्य जैसे गुणों को विकसित करने में मदद करती हैं।

- **समय प्रबंधन में सुधारः–**पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने से बच्चे समय प्रबंधन के महत्व और क्षमताओं को सीखते हैं। जब बच्चे पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेते हैं, तो वे अपने शैक्षणिक कार्यभार और अपनी रुचियों को संतुलित करने का प्रयास करते हैं। इससे बच्चों को समय प्रबंधन कौशल सीखने और अपने काम को प्राथमिकता देने में मदद मिलेगी।

- **आवश्यक कौशल सीखें:—**अन्य कौशलों के साथ—साथ, बच्चे अन्य आवश्यक कौशल भी सीखते हैं जैसे लक्ष्य निर्धारण, टीम वर्क, आलोचनात्मक सोच, सार्वजनिक बोलना और सामाजिक व्यवहार में सुधार करना।

- **आत्मविश्वास बढ़ाना:—** पाठ्येतर गतिविधियाँ आत्मविश्वास और आत्म—सम्मान को बढ़ाने और तनाव और नकारात्मकता को दूर करने में मदद करती हैं। यह समय प्रबंधन, टीम वर्क और अन्य जैसे कई गुण सिखाता है जो उन्हें अधिक नियंत्रित और आत्मविश्वासी बनने में मदद करता है।

- **आत्म—सम्मान विकसित करता:—**जितना अधिक आप अपनी जुनूनी गतिविधियों के माध्यम से सफलता प्राप्त करते हैं, उतना ही यह आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करता है। छोटी—छोटी पाठ्येतर गतिविधियाँ भी बच्चों को कड़ी मेहनत करने और बड़ी सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित करती हैं।

बच्चों में नेतृत्व गुणों का विकास करता:—नेतृत्व कौशल छात्रों में सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण करता है और उन्हें जिम्मेदार इंसान बनने के लिए प्रेरित करता है। यह उन्हें किसी विशेष कार्य को स्वयं प्रबंधित करना और अपनी समस्याओं का समाधान ढूंढना भी सिखाता है।

सर्वेक्षण के अनुसार, सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली पाठ्येतर कक्षा वाद—विवाद (36%) के लिए थी, उसके बाद विज्ञान क्लब (28%), कला (25%), पुस्तक क्लब (22%) का स्थान था। इसके अलावा, 74% नियमित रूप से खेल खेलते हैं, जिनमें बैडमिंटन (37%), फुटबॉल (30%) और क्रिकेट (30%) शीर्ष विकल्प हैं।

विद्यालय प्रमुख द्वारा निम्न पाठ्येत्तर गतिविधियों से विद्यार्थियों की मदद की जा सकती है:–

- **वाद–विवाद और सार्वजनिक भाषण:–** जैसा कि उल्लेख किया गया है, वाद–विवाद को सबसे लोकप्रिय पाठ्येतर पाठ्यक्रमों में से एक माना गया है। ये क्लब वक्तृत्व कौशल को बेहतर बनाने, आत्मविश्वास और पारस्परिक कौशल को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

- **लेगो क्लब:–** लेगो हमेशा रचनात्मकता, नवाचार और विश्लेषणात्मक कौशल को बढ़ावा देने वाली एक गतिविधि रही है। लेगो क्लब रचनात्मक दिमागों को एक साथ लाते हैं जहां वे विचारों का आदान–प्रदान कर सकते हैं, निर्माण कर सकते हैं और नवाचार कर सकते हैं। यह युवा दिमागों के लिए एक महान पाठ्येतर गतिविधि है।

- **खगोल विज्ञान क्लब:–** अंतरिक्ष और विज्ञान में बढ़ती रुचि के साथ–साथ सूचना और प्रौद्योगिकी तक पहुंच के कारण, ये क्लब बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। कई स्कूल छात्रों की रुचि जानने के लिए ऐसे क्लबों को भी बढ़ावा दे रहे हैं क्योंकि इसमें कई तरह के विषय शामिल हो सकते हैं।

- **पाक कला क्लब:–** लिंग की परवाह किए बिना पाक कला क्लबों ने हाल ही में लोकप्रियता हासिल की है। यह विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों को शामिल करने और उनकी रचनात्मकता को फिर से बढ़ाने का एक शानदार तरीका है।

- **कोडिंग और एनिमेशन:–** प्रौद्योगिकी और सूचना की प्रगति के साथ पाठ्येतर गतिविधियों के लिए कोडिंग हमेशा एक लोकप्रिय विकल्प रहा है। यह उस व्यक्ति के लिए एक बढ़िया विकल्प हो सकता है जो डिजिटल दुनिया का पता लगाना और रचनात्मकता प्रदर्शित करना पसंद करता है। एनिमेशन उन्हें अन्य क्षेत्रों का पता लगाने में भी मदद कर सकता है।

आईआईएम–कोझिकोड के छात्रों के एक अध्ययन से पता चलता है कि 2021 में भारत में पाठ्येतर बाजार 5.8 बिलियन डॉलर तक पहुंचा और आने वाले वर्षों में इसमें वृद्धि होगी। यह 2025 तक 1.4 अरब भारतीयों में से लगभग 80% तक इंटरनेट का उपयोग करने वाली आबादी तक पहुंचने का अनुमान लगाता है और पाठ्येतर बाजार में 9.23% की वृद्धि का अनुमान है।

निष्कर्षः—

पाठ्येतर गतिविधियों की मदद से छात्रों को अपने साथियों के साथ बातचीत करने और उनसे सीखने का मौका मिलता है। पाठ्येतर गतिविधियों से बच्चों को जो सबक और अनुभव मिलता है, उससे छात्रों को उनके करियर और भावी जीवन में मदद मिलेगी। पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने से छात्रों के व्यक्तिगत विकास और सफलता के लिए आवश्यक चरित्र विकास में सहायता मिलती है। एक संपूर्ण और पोषित परिसर के साथ, हम उन्हें उनकी रुचियों और जुनून का पता लगाने में मदद करते हैं। हमारा उद्देश्य बच्चों को #HappyAtSchool रखना और उन्हें एक सफल भविष्य बनाने में मदद करना है।

मॉड्यूल के सन्दर्भ में कुछ लिंक/वेबसाईट/रेफरेंस बुक

- **https://en.wikipedia.org/wiki/Extracurricular_activity**
- **https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/nep/2020/MAITHILI.pdf**
- **https://study.com/academy/lesson/co-curricular-activities-definition-advantages-disadvantages.html**
- **https://www.linkedin.com/pulse/importance-extracurricular-activities-dr-v-s-gayathri**
- **https://www.researchgate.net/publication/366932752_The_extracurricular_activities_and_student**_development_of_secondary_school_Learning_from_Indonesia
- **https://ncert.nic.in/pdf/publication/journalsandperiodicals/bhartiyaadhunikshiksha/BAS-October-2018.pdf**

लेखक

शालिनी अंकोदिया, प्रधानाचार्य, रा उ मा वि , गोनेर